हिंदी व्याकरण

समास

परिभाषा: -

समास का शाब्दिक अर्थ - ' संक्षेपीकरण ' ।

दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं |

समास के भेद (पदों की प्रधानता के आधार पर) – 4 (चार)

कुल भेद – 6

◆ समास में पद - दो पद होते हैं:

(1) पूर्वपद

(2) उत्तरपद

◆ समस्त पद या सामासिक पद:-

समास के नियमों से निर्मित शब्द सामासिक शब्द कहलाता है । इसे समस्त पद भी कहते हैं |

Gyansindhu Coaching Classes

- जैसे- **यथाशक्ति**

◆ समास विग्रह -

सामासिक शब्दों के बीच के सम्बन्ध को स्पष्ट करना समास - विग्रह होता है।

- जैसे- **यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार**

◆ प्रधान खंड -

जिस पर अर्थ का मुख्य बल पड़ता है प्रधान हैं,

जैसे- जैसे- प्रतिदिन में 'प्रति'।

◆अप्रधान/गौण खंड -

जिस खंड पर अर्थ का बल नहीं पड़ता है।

जैसे- प्रतिदिन में 'दिन'।

★पहचान ★

अव्ययी भाव समास में = पूर्वपद प्रधान होता है।

कर्मधारय समास में =उत्तरपद प्रधान होता है।विशेषण और विशेष्य होगा|

द्विगु समास में = उत्तरपद प्रधान होता है। प्रथम पद संख्यावाची होगा|

द्वन्द्व समास में = दोनों पद प्रधान होता है।

Gyansindhu Coaching Classes

बहुव्रीहि समास में = दोनों पद अप्रधान होते हैं / अन्य पद प्रधान।

(1) अव्ययीभाव समास-

जिस समास में पूर्वपद अव्यय हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

- **यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार**
- **आमरण = मरण तक**
- **प्रतिदिन = दिन दिन**
- **अनुरुप = रूप के योग्य**
- **भरपेट = पेट भर कर**
- **रातभर = पूरी रात**
- **यथाक्रम = क्रम के अनुसार**
- **यथासंभव = संभावना के अनुसार**
- **यथासाध्य = साध्य के अनुसार**
- **आजन्म = जन्म तक**
- **आमरण = मरण तक**
- **यावतजीवन = जब तक जीवन है**
- **व्यर्थ = बिना अर्थ का**

Gyansindhu Coaching Classes

- **बेखटके = बिना खटके के**
- **आजीवन = जीवन भर**
- **प्रत्यक्ष= आँखों के सामने**
- **निडर = बिना डर के**

कर्मधारय समास -

जिस सामासिक शब्द का उत्तर पद प्रधान हो और पूर्वपद का उत्तरपद में विशेषण विशेष्य अथवा उपमान उपमेय का संबंध हो, वह कर्मधारय समास कहलाता है।

Note- हिन्दी में कभी - कभी विशेष्य पहले तथा विशेषण बाद में भी आ सकता है|

जैसे -

- **पुरुषोत्तम**

  → पुरुष (संज्ञा) + उत्तम (विशेषण)

- **ऋषिवर**

  → ऋषि(संज्ञा) + वर (विशेषण)

Gyansindhu Coaching Classes

- **परमानन्द** = परम है जो आनन्द
- **नीलकंठ** = नीला है जो कंठ
- **महात्मा =** महान है जो आत्मा
- **नीलकंठ** = नीला कण्ठ
- **नीलकमल** = नीला है जो कमल
- **पीतांबर** = पीत है जो अम्बर
- **महादेव** = महान है जो देव
- **नीलगाय** = नीली है जो गाय
- **लम्बोदर = लम्बा है उदर जिसका**

(ख) द्विगु समास –

जिस सामासिक शब्द का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे द्विगु समास कहते हैं। इससे समूह अथवा समाहार का बोध होता है।

- **तिराहा** = ति (तीन) तीन राहों का समूह
- **चौमासा** = चौ (चार) चार मासों का समूह
- **नवग्रह** = नौ ग्रहों का समूह

Gyansindhu Coaching Classes

- **दोपहर** = दो पहरों का समाहार
- **चौराहा** का समास विग्रह = **चार राहों का समूह**
- **त्रिवेणी** का समास विग्रह = **तीन वेणियो का समाहार**
- **नवरत्न** का समास विग्रह = **नौ रत्नों का समाहार**
- **चतुर्भुज** का समास विग्रह = **चार भुजाओं का समूह**
- **त्रिफला** का समास विग्रह= **तीन फलों का समूह**
- **दोपहर** का समास विग्रह =**दो पहरो का समाहार**
- **तिरंगा** का समास विग्रह = **तीन रंगो का समाहार**
- **पंचतंत्र** का समास विग्रह =**पांच तंत्रों का समाहार**
- **सतसई** का समास विग्रह= **सात सौ दोहों का समूह**
- **अष्टाध्यायी** का समास विग्रह=**आठ अध्यायों का समाहार**
- **सप्तदीप** का समास विग्रह =**सात द्वीपों का समूह**
- **पंचवटी** का समास विग्रह = **पांच वटी का समूह**
- **पंचपात्र** का समास विग्रह= **पांच पात्रों का समूह**
- **सप्ताह** का समास विग्रह= **सात दिनों का समूह**
- **पंच पल्लव** का समास विग्रह = **पांच फलों का समूह**
- **त्रिभुज** का समास विग्रह = **तीन भुजाओं का समूह**
- **चौमासा** का समास विग्रह =**चार मासो का समूह**

Gyansindhu Coaching Classes

- **बारहमासा** का समास विग्रह = **बारह महीनों का समूह**
- **अष्टकोण** का समास विग्रह = **आठ कोणों का समूह**
- **त्रिकोण** का समास विग्रह = **तीन कोणों का समूह**
- **सप्तसिंधु** का समास विग्रह = **सात नदियों का समूह**
- **सप्तधान्य** का समास विग्रह = **सात दिनों का समूह**
- **चारपाई** का समास विग्रह = **चार पावो का समूह**
- **अस्त ग्रह** का समास विग्रह= **आठ ग्रहों का समूह**
- **दोराहा** का समास विग्रह = **दो राहो का समूह**
- **षट्कोण** का समास विग्रह = **छह कोणों का समूह**
- **सप्तर्षि** का समास विग्रह =**सात ऋषियों का समूह**
- **त्रिलोकी** का समास विग्रह =**तीन लोको का समाहार**
- **शताब्दी** का समास विग्रह = **शत(सौ) अब्दो (वर्षों)का समूह**
- **नवग्रह** का समास विग्रह =**नव ग्रहों का समूह**

◆ **द्वन्द्व समास-** इस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर ' और ' , ' अथवा ' , ' या ' , ' एवं ' लगता है , वह द्वन्द्व समास कहलाता है ।

1. **आगा -पीछा** = आगा और पीछा
2. **खरा- खोटा**= खरा या खोटा

Gyansindhu Coaching Classes

3. **दाल- भात** = दाल और भात

4. **मां-बाप** = मां और बाप

5. **आचार -विचार**= आचार और विचार

6. **पाप- पुण्य** = पाप और पुण्य

7. **गंगा- यमुना** = गंगा और यमुना

8. **भाई-बहन** = भाई और बहन

9. **घास -फूस** = घास और फूस

10. **अन्न-जल** = अन्न और जल

11. **हरिहर** = हरि और हर

12. **दाल- रोटी** = दाल और रोटी

13. **रुपया -पैसा** = रुपया और पैसा

14. **देवासुर** = देव और असुर

15. **साग - पात**= साग और पात

16. **राम - लक्ष्मण** = राम लक्ष्मण

17. **दिवरात्रि** = दिन और रात्रि

18. **जय - पराजय** = जय और पराजय

Gyansindhu Coaching Classes

19. **हानि- लाभ=** हानि और लाभ

द्वंद समास-अन्य उदहारण

20. ***राजा-रानी*** *का समास विग्रह=**राजा और रानी** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
21. ***गुण -दोष*** *का समास विग्रह =**गुण और दोष,** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
22. ***पति -पत्नी*** *का समास विग्रह = **पति और पत्नी** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
23. ***खरा -खोटा*** *का समास विग्रह =**खरा खोटा** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
24. ***माता- पिता*** *का समास विग्रह = **माता और पिता** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
25. ***पाप- पुण्य*** *का समास विग्रह =**पाप या पुण्य** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
26. ***चराचर*** *का समास विग्रह =**चर और अचर** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
27. ***जीवन -मरण*** *का समास विग्रह =**जीवन और मरण** समास का नाम =**द्वंद्व समास***
28. ***रुपया -पैसा*** *का समास विग्रह =**रुपया और पैसा** समास का नाम =**द्वंद्व समास***

Gyansindhu Coaching Classes

29. दाल -रोटी का समास विग्रह =दाल और रोटी समास का नाम =द्वंद्व समास

30. सुख- दुख का समास विग्रह =सुख और दुख समास का नाम =द्वंद्व समास

31. नर -नारी का समास विग्रह =नर और नारी समास का नाम =द्वंद्व समास

32. दिन-रात का समास विग्रह =दिन और रात समास का नाम =द्वंद्व समास

33. देश- विदेश का समास विग्रह = देश और विदेश समास का नाम =द्वंद्व समास

34. गांव- शहर का समास विग्रह =गांव और शहर समास का नाम =द्वंद्व समास

35. जल- थल का समास विग्रह = जल और थल समास का नाम =द्वंद्व समास

36. उत्तर -दक्षिण का समास विग्रह =उत्तर और दक्षिण समास का नाम =द्वंद्व समास

37. अपना- पराया का समास विग्रह =अपना और पराया समास का नाम =द्वंद्व समास

38. पिता- पुत्र का समास विग्रह =पिता और पुत्र समास का नाम =द्वंद्व समास

39. यश - अपयश का समास विग्रह = यश और अपयश समास का नाम =द्वंद्व समास

Gyansindhu Coaching Classes

40. **अन्न- जल** का समास विग्रह =**अननऔर जल** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

41. **हार- जीत** का समास विग्रह =**हार और जीत** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

42. **हानि -लाभ** का समास विग्रह = **हानि और लाभ** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

43. **शुभ -अशुभ** का समास विग्रह =**शुभ और अशुभ** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

44. **नदी -नाले** का समास विग्रह =**नदी और नाले** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

45. **आचार- विचार** का समास विग्रह =**आचार और विचार** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

46. **राधा -कृष्ण** का समास विग्रह =**राधा और कृष्ण** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

47. **राम- कृष्ण** का समास विग्रह =**राम और कृष्ण** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

48. **उत्थान - पतन** का समास विग्रह = **उत्थान और पतन** समास का नाम =**द्वंद्व समास**

◆ बहुव्रीहि समास :-

जिस सामासिक शब्द के दोनों पद प्रधान न हो यानी अन्य पद प्रधान हो उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं। जैसे -

Gyansindhu Coaching Classes

- **नीलकंठ** = नीलकंठ है जिसका अर्थात शिव
- **चक्रपाणि** = चक्र है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात विष्णु
- **चंद्रमौलि**= चंद्र है सिर पर जिसके अर्थात शंकर।
- **गजानन** = गज का है आनन जिसका अर्थात गणेश

Gyansindhu Coaching Classes